

## J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology) A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009 SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



**NEWS CLIPPING: 05.03.2020** 

## **PUNJAB KESARI**

## नाटक के माध्यम से लैंगिक संवेदनशीलता का दिया संदेश

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यकमों का किया गया आयोजन

फरीदाबाद, 4 मार्च (ब्युरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों के विद्यार्थियों द्वारा नुकड़ नाटक तथा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी गई, जोकि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 की विषय-वस्तु पर आधारित थी।कार्यक्रम में क्लसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन स्टुडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चैहान



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नाटक मंचन करते हुए विद्यार्थी।

गुप्ता भी उपस्थित थीं। उल्लेखनीय है कुलपित प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 8 मार्च को किया आयोजन महिलाओं को प्रेरित करने जाता है और इस वर्ष की विषय- तथा समाज में उनके योगदान को वस्त्-'मैं जनरेशन इक्वेलिटी: महिलाओं मान्यता देने के उद्देश्य से किया जाता के अधिकारों को महसूस कर रही हूं' तथा अध्यक्ष महिला कल्याण डॉ. अंजु है। महिला दिवस पर अपने संदेश में प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से

है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं

समाज और देश को गौरवान्वित कर रही है और आत्मनिर्भर है। उन्होंने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर हमें समाज में महिलाओं के महत्व एवं उनके योगदान को मान्यता देनी चाहिए और उन्हें अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की विषय-वस्त पर अभिनीत नाटक 'मैं सब ठीक कर दुंगा ' में विद्यार्थियों ने लैंगिक समानता की जोरदार वकालत की तथा लैंगिक संवेदनशीलता एवं महिला संशक्तिकरण के मुद्दों को लेकर समझ विकसित करने

का प्रयास किया। नाटक के माध्यम से लैंगिक विषमता के कारण महिलाओं पर होने वाले उत्पीड़न का भी चित्रण किया गया और बताया गया कि इन सब के बावजूद महिलाओं ने किस प्रकार से समाज में बेहतर मुकाम हासिल किया है।

पंजाब केसरी Thu, 05 March 2020 ई-पेपर https://epaper.punjabkesari.in/c/49658782

